हिन्दी–दिवस समारोह का आयोजन

श्री अरविन्द महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की ओर से हिन्दी दिवस पर 'हिन्दी भाषा और राष्ट्रीय एकता' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप–प्रज्ज्वलन और सरस्वती–वंदना से किया गया। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि जाने–माने प्रसिद्ध वरिष्ठ पत्रकार, समाजशास्त्री एवं माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो० रामशरण जोशी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हिन्दी अब सिर्फ कविता, कहानियों की ही भाषा नहीं रह गयी है बल्कि चिंतन की भी भाषा बन चुकी है। प्रो० जोशी ने हिन्दी के बढ़ते प्रभाव पर उदाहरण देते हुए कहा कि विदेशों में बहुत सारे विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है। सोशल मीडिया एवं ज्ञान–विज्ञान के सभी क्षेत्रों में हिन्दी की मान्यता स्वीकृत हो चुकी है। उन्होंने हिन्दी भाषा और राष्ट्रीय एकता पर आगे बोलते हुए हिन्दी को लेकर कैरियर बनाने के लिए उपलब्ध तमाम संभावनाओं पर विद्यार्थियों को जागरूक किया और कहा कि अब हिन्दी में रोजगार की कमी नहीं है।

समारोह के विशिष्ट अतिथि कॉलेज प्रबंध समिति के चेयरमैन और वरिष्ठ पत्रकार संजय मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि अब हिन्दी दोयम दर्जे की भाषा नहीं रह गई है। इसलिए इसको लेकर लोगों को शर्म नहीं बल्कि गौरव का अनुभव होना चाहिए। हिन्दी की भूमिका राष्ट्रीय एकता स्थापित करने में अतुलनीय रही है, यह एक ऐसी भाषा है जो समस्त देश में लोगों को जोड़ती है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ० विपिन कुमार ने हिन्दी के महत्त्व और उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अब हिन्दी पढ़ने वाले छात्र–छात्राएं सिर्फ साहित्य प्रेम के कारण नहीं बल्कि एक कैरियर/रोजगार के रूप में हिन्दी को अपना रहे हैं जो एक अच्छा संकेत है।

इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं– काव्य–पाठ, भाषण, स्लोगन आदि का आयोजन किया गया और विजेताओं को प्रमाण–पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए।